

73

न्यायालय मान 0 राजस्व मण्डल, म 0 प्र 0 ग्वालियर

प्र 0 क 0 अपील/शिवपुरी/भू.रा./2018/

अपील- 5007/2018/शिवपुरी/भू.रा.

इन्दर मल पुत्र मूला सहरिया

निवासी ग्राम खाडा सहरौल

तहसील शाहवाड जिला बारा

राजस्थान

---अपीलांट

श्री. ज.पी. नायक ए.व.  
द्वारा आज दि. 14.8.18 को  
प्रस्तुत। प्रारंभिक तर्क हेतु  
दिनांक 20.8.18 नियत।

विरुद्ध

मध्य प्रदेश शासन द्वारा

कलेक्टर जिला शिवपुरी

---रिस्पाण्डेन्ट

कलेक्टर, जिला शिवपुरी  
राजस्थान मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

(अपील अंतर्गत धारा 44, मध्य-प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959- कलेक्टर जिला शिवपुरी द्वारा प्र.क. 12 अ-21/14-15 में पारित आदेश दिनांक 31-3-2018 के विरुद्ध)

अपील प्रस्तुत करने के संक्षिप्त कारण

14.8.19  
G. P. Nayak  
Adv.

महोदय,

यह कि अपीलांट ग्राम मुढ़ेरी तहसील शिवपुरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 616, 644, 645, 646, 751, 755, 756, 1846, 1899 कुल कित्ता 9 कुल रकबा 2-060 है. का रिकार्डेड भूमिस्वामी है।


उक्त भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त नहीं है, पैत्रिक नहीं है अपितु अपीलांट द्वारा कय की गई भूमि है। अपीलांट के पास ग्राम खाडा सहरौल तहसील शाहवाड जिला बारा राजस्थान में अधिक कृषि भूमि है जहां रहकर अपीलांट खेती करके अपने-बच्चों का पालन पोषण करता है। ग्राम मुढ़ेरी तहसील शिवपुरी की भूमि अपीलांट के लिये लाभकारी नहीं है क्योंकि अपीलांट को भूमि बटाई/ठेके पर देना पड़ती है एवं ठेका लेने वाले अथवा बटाईदार फसल उजड़ना, नुकसान होना बताकर ठेके की पूर्ण राशि नहीं देते हैं, अपीलांट ने सहरिया आदिवासी होने के कारण कलेक्टर जिला शिवपुरी को आवेदन देकर भूमि विक्रय अनुमति दिये जाने की मांग की, जिस पर अपर कलेक्टर जिला शिवपुरी

C. A. Office  
Received  
14/8/18

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

अपील 5007/2018/शिवपुरी/भूरा .

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमात्रों आदि के हस्ताक्षर
24 .12.18	<p>अपीलार्थी अधिवक्ता श्री जी0 पी0 नायक उपस्थित। प्रत्यर्थी शासन के अधिवक्ता श्री अजय चतुर्वेदी उपस्थित। प्रत्यर्थीगण के अधिवक्ता द्वारा प्रकरण को इस न्यायालय में प्रचलनशीलता पर आपत्ति की।</p> <p>2- आवेदक अधिवक्ता द्वारा इस न्यायालय में कलेक्टर जिला शिवपुरी के प्र0 क्र0 12/अ-21/2014-15 में पारित आदेश दिनांक 31/03/18 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के अंतर्गत अपील प्रस्तुत की गई है। जबकि इस आदेश के विरुद्ध द्वितीय अपील अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर के न्यायालय में प्रस्तुत करना था।</p> <p>3- अतः अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील इस न्यायालय में चलने योग्य न होने के कारण निरस्त की जाती है। अपीलार्थी अधिवक्ता चाहे तो मूल दस्तावेज प्राप्त कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु स्वतंत्र है।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	